Regarding care and treatment of the cows

श्री मलूक नागर **(बिजनौर) :** माननीय सभापति महोदय, आपको बहुत-बहुत धन्यवाद देता हूं कि आपने मुझे बोलने का मौका दिया। मेरी प्रार्थना है कि आपने जितना टाइम श्री सुरेश जी को दिया, मुझे भी उतना ही टाइम दिया जाए।

माननीय सभापति **:** आप अपने विषय के बारे में बोलिए।

श्री मलूक नागर **:** सर, मैं अपना सब्जेक्ट चेंज करना चाह रहा हूँ। तीन दिन पहले मैंने गन्ने का रेट बढ़ाने और बकाया राशि दिलाए जाने के बारे में कहा था। इसलिए मुझे सब्जेक्ट चेंज करने की इजाजत दी जाए।

सर, पूरे उत्तर प्रदेश और खासकरके पश्चिमी उत्तर प्रदेश के किसान एक समस्या से बहुत परेशान हैं। हम भी गऊ माता का बहुत सम्मान करते हैं। अगर दुनिया में कोई भी गाय माता का सम्मान करता है, तो मैं उसका सबसे ज्यादा सम्मान करता हूँ। मैं सरकार की भी सराहना करता हूँ कि गौ माता के लिए जितना बढ़ावा दिया जा रहा है, यह बहुत ही अच्छी बात है। मैं उत्तर प्रदेश के और देश की सरकार की सराहना करता हूँ, प्रशंसा करता हूँ। उसमें एक दिक्कत आ रही है, जो गाएं बूढ़ी हो जाती हैं, जो दूध नहीं देती हैं, जो गाएं किसान के काम की नहीं रह जाती हैं, ऐसी गाएं बाहर घूमती रहती हैं। उनके लिए हर जिले में जो जगह बनाई गई है, वहाँ उनकी पूरी तरह देखरेख नहीं हो रही है। उनको जिस बाउंड्री में रखा जा रहा है, वहाँ पर उनका इलाज कराया जाए, उनकी देखरेख की जाए और वे बगैर देखरेख की न घूमें। इसमें एक और समस्या आ रही है, चाहे उनको बछड़ा कहें, बैल कहें, बिजार कहें या साँड कहें, जो खुले में घूम रहे हैं, उनके लिए भी व्यवस्था की जाए। जब ये 50-50 के समूह में घूमते हैं, तो ये जिधर भी रात को निकलते हैं, उधर किसानों की पूरी फसल को चट कर जाते हैं। इससे किसान बहुत परेशान हैं, उनको बहुत नुकसान हो रहा है। इसलिए मैं आपके माध्यम से मांग करता हूँ कि प्रदेश की की सरकार उनके लिए व्यवस्था करे, उनका भी ध्यान रखा जाए ताकि किसानों की फसलों का नुकसान न हो।